विद्युत परियोजनाओं की स्थापना किया जाना

1250. **श्री रामजीलाल:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान राज्य-वार कितनी विद्युत परियोजनाएं स्थापित की गई है;

(ख) इस अवधि के दौरान कितने सहमति ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, और उनका ब्यौरा क्या है,

(ग) इससे किस हद तक विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है या होने की संभावना है, और

(घ) देश में बढ़ते हुए औद्योगिकीकरण को देखते हुए विद्युत का उत्पादन करने के लिए सरकार क्या कार्यवाही कर रही है?

विद्युत मंत्रालय में राज्यमंत्री (डॉ० एस० वेणु-गोपालाचारी): (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान विद्युत उत्पादन क्षमता तथा स्थापित की गई यूनिटों की कुल संख्या का राज्यवार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिये)

(ख) भारत सरकार 94 ऐसे प्रस्तावों की मानीटरिंग कर रही है, जिनमें से प्रत्येक की लागत 100 करोड़ रूपये है तथा जिनके लिए राज्य सरकारों द्वारा, निजी उद्यमियों के साथ, विद्युत उत्पादन-केन्द्र स्थापित किए जाने के लिए या तो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर कर लिए गए हैं, अथवा उन्हें आशय-पत्र जारी कर दिए गए हैं। इन प्रस्तावों में कुल 51774.40 मेगावाट क्षमता निहित है, जिसकी कुल अनुमानित लागत 20674.430 करोड़ रूपये है।

(ग) देश में अधिष्ठापित क्षमता मार्च, 1993 में 72330 मेगावाट से बढ़कर मार्च, 1996 में 83228 मेगावाट हो गयी है।

(घ) विद्युत उत्पादन में ईष्टतम वृद्धि किए जाने के उद्देश्य से विद्युत मंत्रालय तथा केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी०ई०ए०) उन विद्युत परियोजनाओं को चालू किए जाने संबंधी प्रगति की गंभीरता से मानीटरिंग कर रहे हैं जो क्रियान्वयनाधीन है। विद्युत क्षेत्र के कार्यनिष्पादन में सुधार लाने के लिए ये उपाय किए जा रहे हैं, पुरानी यूनिटों का नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण करना, पारेषण एवं वितरण प्रणाली को सशक्त बनाना राज्य बिजली बोर्डों की कार्य प्रणाली में सुधार लाना तथा अंत: क्षेत्रीय लिंकों के माध्यम से अधिकता वाले क्षेत्र से कमी वाले क्षेत्र में विद्युत का अंतरण करके विद्युत उत्पादन का बेहतर समायोजन करना।

विवरण

विद्युत परियोजना की स्थापना किया जाना

क्रम सं०	केन्द्र/राज्य	उत्पादन क्षमता (मेगावाट)	निहित यूनिटें
1.	केन्द्र	4858.5	26
2.	हिमाचल प्रदेश	16.5	6
3.	उत्तर प्रदेश	1000.0	2
4.	राजस्थान	248.5	3
5.	जम्मू तथा कश्मीर	103.7	7
6.	दिल्ली	102.0	3
7.	गुजरात	435.0	5
8.	मध्य प्रदेश	330.0	4
9.	महाराष्ट्र	1116.0	10
10.	आंध्र प्रदेश	980.0	8
11.	कर्नाटक	325.5	8
12.	केरल	15.0	2
13.	तमिलनाडु	750.0	7
14.	बिहार	220.0	5
15.	उड़ीसा	420.0	2
16.	सिक्किम	4.0	2
17.	पश्चिम बंगाल	260.0	5
18.	असम	60.0	3
19.	त्रिपुरा	16.0	2